Year	Requirement (MU)	Availability (MU)	Deficit (MU)	%
1994-95 Actual	31985	30678	1307	4.1
1995-96 Anticipated	34600	31741	2859	8.3
1996-97 Estimated	37368	34315	3053	8.2
1997-98 Estimated	40357	36881	3476	8.6
1998-99 Estimated	43586	39596	3990	9.2

Advertisements given by UPSC through DAVP

40. SHRI MOHAMMED AFZAL *Alias* MEEM AFZAL: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state the number and names of Newspapers to whom advertisements of the UPSC were given through DAVP during 1994-95?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI P. M. SAYEED): During 1994-95, DAVP released UPSC advertisements to 320 newspapers. Their names are given in the annexure. [*See* Appendix 176, Annexure No. *3*]

Time Allotted to Advertisers and Sponsord of Films on Doordarshan

41. SHRI PARAG CHALIHA: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether there is any fixed ratio between the total time of film telecast by the Doordarshan and that can be sold to advertiser and sponsors of a particular film;

(b) if so, the details thereof; and

(c) whether the time given to advertisers and sponsors of recently telecast films, viz. SHOLAY and TEZAB conform to this ratio?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI P.M. SAYEED) (a) and (b) No, Sir. Commercial time, including free commercial time, being dependent upon a number of factors such as the minimum guarantee offered, sharing pattern of commercial revenue, popularity of film, is different for each film telecast by Doordarshan.

(c) The commercial time in respect of these films conformed to the terms of the respective agreements entered into for their telecast by Doordarshan.

गुजरात में हथकरघा बुनकरों को ऋण

42. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों में गुजरात में वर्ष-वार विशेषकर सौराष्ट्र कच्छ क्षेत्र में सरकारी क्षेत्र के बैंकों को हथकरघा बुनकरों से कितने आवेदन-प्राप्त हुए थे और इन बैंकों द्वारा दिए गए ऋणों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या ये बैंक बुनकरों को वित्तीय मदद के एक उपाय के रूप में समय पर ऋण देते हैं;

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं; और

(घ) सरकार इस संबंध में क्या कार्रवाई करने का विचार रखती है?

वस्त्र मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी): (क) से (घ) नाबार्ड ने 1 अप्रैल, 1995 से हथकरघा क्षेत्र की पब्लिक क्षेत्र के बैंकों के माध्यम से ऋण सुविधा में बढ़ोत्तरी करने के लिए वाणिज्यक बैंकों को पुनर्वित्त देने की एक योजना तैयार की है ताकि वे प्राथमिक हथकरघा बुनकर सहकारी समितियों की कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकें। हथकरघा बुनकरों और बुनकर सहकारी समितियों से प्राप्त प्रार्थना पत्रों की संख्या और उनको दिये गये ऋण के संबंध में बैंक स्तर पर जानकारी रखी जाती है। नाबार्ड के समूचे क्रेडिट पूलों